

गोरेगांव : तहसील में पर्यटन स्थलों की कमी नहीं है. यहां चुलबंध डैम, जांभुलपानी तालाब, कटंगी डैम, कलपाथरी डैम, पांगडी-धानुटोला तालाब, पोंगेझरा गेट तथा नागझिरा मुरदोली प्रवेश द्वार जैसे पर्यटन स्थल हैं. जहां अनेक पर्यटक आया करते हैं. छुड़ियों के दौरान पांगडी धानुटोला, मुरदोली चुलबंध डैम व कटंगी डैम जैसी जगहों पर बड़ी तादाद में अपने परिवार के साथ पर्यटक दिखाई देते हैं. जिसमें अन्य जिलों के पर्यटक भी शामिल हैं. जिस कारण यहां ग्रामीणों को छोटा मोटा रोजगार प्राप्त हो रहा है.

संक्षिप्त

हिंदू परिषद का स्थापना दिवस समारोह 6 को

गोंदिया : विश्व हिंदू परिषद, गोंदिया जिला की ओर से संगठन के स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष समारोह का आयोजन 6 सितंबर को शाम 5 बजे पुराना बस स्टैंड रोड स्थित श्री जैन कुशल भवन में होगा. आयोजकों के अनुसार, स्थापना दिवस समारोह का उद्देश्य संगठन के कार्यों, विचारों और सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों को लेकर कार्यकर्ताओं व समाजजनों के बीच जागरूकता बढ़ाना है. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व धर्मप्रेमी नागरिकों के शामिल होने की उम्मीद है. समारोह में विश्व हिंदू परिषद के विदर्भप्रान्त संगठन मंत्री विष्णु देशमुख मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे.

घर से आभूषण

सहित नकद उड़ाया

गोंदिया : दवनीवाड़ा थाने के तहत बलमाटोला निवासी फियां दी राहुल धनलाल माने (26) के घर से अज्ञात व्यक्ति ने 52 हजार रु. कीमत के सोने-चांदी के आभूषण व 10 हजार रु. नकद ऐसे कुल 62 हजार रु. का माल उड़ा लिया.

सट्टापट्टी लेने वाले पर मामला दर्ज

गोंदिया : अर्जुनी मोरगांव के मौर्या होटल के पास सार्वजनिक सड़क पर सट्टापट्टी लेते हुए एक व्यक्ति के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की. आरोपी का नाम बाराभाटी दीपक दुधराम शिवणकर (45) बताया गया है. कार्रवाई के दौरान उसके पास से सट्टापट्टी, पेन तथा 200 रु. नकद सहित कुल 205 रु. का माल जब्त किया गया.

आंगनवाड़ियों में पीने के पानी का अभाव

गोंदिया : तहसील की अनेक आंगनवाड़ियों में पीने के पानी की सुविधा नहीं की गई है. जिससे आंगनवाड़ी सेविका व सहायिकाओं को परेशानी उठानी पड़ रही है और उन्हें बाहर से पानी लाना पड़ रहा है. इतना ही नहीं अनेक बच्चों को घर से ही पानी साथ लेकर आना पड़ रहा है.

खुले पड़े डी.पी. बाँक्स से खतरा

गोंदिया : विद्युत विभाग द्वारा अनेक ट्रांसफार्मर खेत परिसरों तथा जंगल क्षेत्र में लगाए हुए हैं. चरवाहा अपने मवेशियों को विद्युत ट्रांसफार्मरों के आस-पास चराया करते हैं. जिसकी वजह से कभी भी दुर्घटना घटित हो सकती है. इतना ही नहीं तो तहसील अनेक गांवों में डीपी बाँक्स खुले अवस्था में दिखाई देते हैं. लेकिन महावितरण द्वारा इस ओर अनदेखी की जा रही है.

मोटर साइकिल चोरी

गोंदिया : तिरोड़ा थाने के तहत तिलक वाई निवासी अनिल देवनदास मेहेरवंदानी (47) की मोटर साइकिल अज्ञात आरोपी ने गंज मार्केट तिरोड़ा के पास स्थित मुन्नी हॉटेल के बाजू से चुरा ली. जिसकी कीमत 30 हजार रु. बताई गई है.

धारदार हथियार से युवक की हत्या

गोंदिया के अंगूर बगीचा में सनसनी, संदिग्ध हिरासत में

संवाददाता / गोंदिया
कॉलर पकड़ने के गुस्से में एक युवक की धारदार हथियार से हत्या किए जाने की घटना शहर के अंगूर बगीचा परिसर स्थित एकदंत कॉलोनी में 28 अगस्त को मध्यरात्रि के करीब घटी। मिथुन भैयालाल ठाकरे (32) रा. नवाटोला, नागरा मृत युवक का नाम है। इस मामले में रामनगर पुलिस ने संदिग्ध आरोपी संदीप देवदास मेश्राम रा. कटंगी कला को हिरासत में लिया है। पुलिस से मिली प्राथमिक जानकारी के अनुसार, मिथुन ठाकरे मित्र का जन्मदिन मनाने के लिए गया था। जन्मदिन के कार्यक्रम के बाद रात करीब 1 बजे के आसपास वह नशे की हालत में



अंगूर बगीचा परिसर स्थित एकदंत कॉलोनी में गया। उस समय उसका संदीप मेश्राम के साथ विवाद होने पर उसने संदीप की कॉलर पकड़कर धक्का मुक्की की। इस घटना के बाद दोनों के बीच विवाद और अधिक बढ़ गया। धक्का मुक्की का गुस्सा मन में रखते हुए संदीप ने धारदार हथियार से मिथुन पर हमला किए जाने की बात पुलिस जांच में सामने

आई है। इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुए. मिथुन की मौत हो गई। इस घटना से परिसर में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी रामनगर पुलिस को दी गई। पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा किया। इस बीच, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस मामले में रामनगर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर संदिग्ध आरोपी को हिरासत में लिया है। हमले में इस्तेमाल किया गया हथियार, हत्या के पीछे का वास्तविक कारण और घटना से संबंधित अन्य पहलुओं की जांच पुलिस कर रही है।

बकरी को छोड़, मुर्गी के चक्कर में पिंजरे में पहुंच गया तेंदुआ



यह रेस्क्यू ऑपरेशन शुक्रवार 28 अगस्त को तड़के बोड़ुदा ग्राम परिसर में चलाया गया। दहशत मचाने वाला तेंदुआ पिंजरे में कैद होने से

संवाददाता / गोंदिया
एनएनटीआर से सटे बोड़ुदा ग्राम तथा परिसर में पिछले कई दिनों से तेंदुए की दहशत बनी थी। इस तेंदुए ने बकरी के साथ ही मुर्गियों को निवाला बनाया था जिसे देखते हुए ग्रामीणों ने आतंकी तेंदुए को पकड़ने की मांग एनएनटीआर से की थी। एनएनटीआर तथा आरआरटी की टीम ने क्षेत्र में दो पिंजरे तथा ट्रैप कैमरे लगाकर नजर बनाकर रखी थी। एक पिंजरे में बकरी और दूसरे पिंजरे में मुर्गियां रखी थी। भारी भरकम शिकार को छोड़कर तेंदुआ मुर्गी के के पिंजरे में घुसा और वहां कैद हो गया।

विशेष लोक अदालत में चार प्रकरणों का निपटारा

संवाददाता / गोंदिया
वर्षों से न्यायालय में लंबित मामलों को आपसी समझौते व सामंजस्य से तत्काल निपटाने के लिए राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण, सर्वोच्च न्यायालय, दिल्ली व महाराष्ट्र राज्य विधि सेवा प्राधिकरण, उच्च न्यायालय, मुंबई के निर्देशानुसार जिला विधि सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्रमुख जिला व सत्र न्यायाधीश आर.जी. वाघमारे के मार्गदर्शन में दि. २१, २२ व २३ अगस्त २०२६ को जिला विधि सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय, गोंदिया में सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों को सामंजस्य से निपटाने के लिए 'समाधान समारोह-२०२६' इस विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया था। इसमें २३ प्रकरण गोंदिया जिले को प्राप्त हुए, उनमें से ३ प्रकरण अन्य जिलों में स्थानांतरित किए गए। २० प्रकरणों में से १ प्रकरण सर्वोच्च न्यायालय ने निपटारया। शेष १९ प्रकरणों में मध्यस्थता के लिए उनमें सभी पक्षकारों की पूर्व बैठकें



जिला विधि सेवा प्राधिकरण गोंदिया में जिला विधि सेवा प्राधिकरण के सचिव एन.के. वालके ने प्रत्यक्ष व आभासी पद्धति से लेकर मध्यस्थता की। इसलिए १९ प्रकरणों में से ४ प्रकरणों को आपसी समझौते व सामंजस्य से निपटाने में सफलता मिली। उक्त प्रकरणों का निपटारा करने तथा 'समाधान समारोह-२०२६' इस विशेष लोक अदालत को सफल बनाने के लिए जिला विधि सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्रमुख जिला व सत्र न्यायाधीश आर.जी. वाघमारे का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साथ ही जिला विधि सेवा प्राधिकरण, गोंदिया के न्यायालयीन कर्मचारियों व पी.एल.व्ही ने

अथक परिश्रम कर सहयोग किया। इस प्रकार उक्त लोक अदालत में सर्वोच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों के पक्षकारों को दिल्ली जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। साथ ही पक्षकारों व अन्य लोगों को होने वाली मानसिक व आर्थिक परेशानी से मुक्ति मिलने के कारण पक्षकारों ने संतोष व्यक्त किया।

इसी प्रकार की लोक अदालत का लाभ सामान्य लोगों को मिलने के लिए दि. १२ सितंबर २०२६ को गोंदिया जिले में नियमित लोक अदालत का आयोजन किया गया है। संबंधित पक्षकार इसका लाभ लें, ऐसा आवाहन जिला विधि सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष व सचिव ने किया है।

वन्य प्राणियों के शिकार पर लगेगी रोक

संवाददाता / देवरी

नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र अभयारण्य क्षेत्र (गोंदिया) और वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आज वनपरिक्षेत्र कार्यालय, बोडे में विद्युत प्रवाह के माध्यम से होने वाले शिकार को रोकने के लिए संयुक्त गश्त विषय पर एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

खेत में अवैध रूप से विद्युत प्रवाह छोड़कर होने वाले वन्यजीवों के शिकार की घटनाओं को रोकना



और वन विभाग व महावितरण के बीच समन्वय स्थापित करना इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था। इस कार्यशाला में बोडे वन्यजीव विभाग के वनपरिक्षेत्र अधिकारी पि. आर. शिरपूरकर और देवरी महावितरण

के कनिष्ठ अभियंता कटरे प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यशाला में मुख्य मार्गदर्शक के रूप में ऊध्वे इंद्रिस अहमद ने उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विद्युत शिकार की पद्धतियां, उन्हें पहचानने के संकेत और तकनीकी पहलुओं को स्पष्ट किया। साथ ही, जंगल से सटे खेत में शिकार के लिए छोड़े गए विद्युत प्रवाह को ढूंढना और उसे सुरक्षित रूप से निष्क्रिय करना, इसका प्रत्यक्ष प्रदर्शन करके दिखाया। शिकार की घटनाओं पर

रोक लगाने के लिए दोनों विभागों द्वारा संयुक्त रूप से नियोजनबद्ध संयुक्त गश्त करने पर इस अवसर पर जोर दिया गया। कर्मचारियों को विद्युत प्रवाह से संबंधित तकनीकी सहायता उपलब्ध करानी चाहिए और वन कर्मचारियों को मैदानी स्तर पर सतर्क रहना चाहिए, ऐसा अधिकारियों की ओर से आह्वान किया गया। इस कार्यशाला में बोडे वनपरिक्षेत्र के सभी वनकर्मचारी, वनपाल, वनरक्षक तथा देवरी महावितरण विभाग के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

चारों ओर से क्षतिग्रस्त यात्री प्रतीक्षालय

सड़क अर्जुनी : तहसील के राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 53 पर स्थित देवपायली गांव का यात्री प्रतीक्षालय इन दिनों अत्यंत जर्जर अवस्था में पहुंच गया है. इसकी बदहाल स्थिति के कारण यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की जा रही है. देवपायली स्थित बस स्टैंड का यात्री प्रतीक्षालय चारों ओर से

क्षतिग्रस्त हो चुका है और इसकी संरचना काफी खतरनाक बन गई है. बारिश के मौसम में वर्षा से बचने तथा गर्मी के दिनों में तेज धूप से राहत पाने के लिए यात्रियों को इसी प्रतीक्षालय का सहारा लेना पड़ता है. लेकिन जर्जर संरचना के कारण यहां रुकना भी जोखिम भरा साबित हो रहा है. इस बस स्टैंड का प्रतिदिन विद्यार्थी,

महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक व ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक यात्री उपयोग करते हैं. नागरिकों का कहना है कि जर्जर संरचना के कारण यदि कोई दुर्घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? नागरिकों ने संबंधित विभाग से इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान देने की मांग की है.

जिल्हा ग्रंथालय अधिकारी पदाचा खुमेद्रं बोपचे यांनी स्वीकारला पदभार

संवाददाता / गोंदिया

जिल्हा ग्रंथालय अधिकारी कार्यालय, गोंदियाचा प्रभारी पदभार खुमेद्रं बोपचे यांनी गुरुवारी स्वीकारला.

मीनाक्षी कांबळे यांची बदली नागपूर कार्यालयात झाली असून बोपचे यांनी गोंदिया जिल्ह्याचे अतिरिक्त जिल्हा ग्रंथालय अधिकारी पदाचा पदभार स्वीकारला. बोपचे सध्या जिल्हा ग्रंथालय अधिकारी भंडारा या पदावर



कार्यरत आहेत. पदभार स्वीकारल्यानंतर त्यांनी जिल्ह्यातील सार्वजनिक वाचनालये, ग्रंथालय चळवळ, वाचकांना उपलब्ध होणाऱ्या

सुविधा तसेच ग्रंथालयांच्या माध्यमातून वाचन संस्कृतीला चालना देण्याच्या दृष्टीने कामकाजाला प्राधान्य देण्याचा मानस व्यक्त केला.

तिरोड़ा में 'विजय दौड़' का जल्लोष

९६७ धावकों ने दिया स्वस्थ तिरोड़ा का संदेश

संवाददाता / तिरोड़ा

विधायक विजय रहांगडाले के जन्मदिन तथा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर तिरोड़ा में आयोजित 'विजय दौड़-२०२६' जिलास्तरीय मैराथन प्रतियोगिता को जबरदस्त प्रतिसाद मिला। प्रतियोगिता में करीब ९६७ धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर खेल भावना और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया।

स्पोर्ट्स एंड हेल्थिंग ग्रुप, तिरोड़ा तथा भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ ही शारीरिक तंदुरुस्ती, स्वास्थ्य और सामाजिक एकता के प्रति जागरूकता पैदा करना



था। मैराथन का शुभारंभ जिला परिषद उत्तर बुनियादी विद्यालय, तिरोड़ा से हुआ। सुबह से ही आयोजन स्थल पर विभिन्न आयु वर्ग के धावकों की भीड़ जुटने लगी थी। धावकों के उत्साहवर्धक नारों और खेलप्रेमियों की तालियों से पूरा वातावरण जोश से भर गया। प्रतियोगिता में १४ से १८ वर्ष

श्री रामदेवजी का भादो महोत्सव 12 को

संवाददाता / गोंदिया

श्री रामदेव भक्त संगम के तत्वावधान में लोकदेवता श्री रामदेवजी का भादो महोत्सव श्रद्धा व भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा. महोत्सव के तहत 12 सितंबर को पांचवीं विशाल ध्वजा यात्रा का आयोजन किया गया है. आयोजकों के अनुसार ध्वजा यात्रा का शुभारंभ दोपहर 3 बजे श्री अग्रसेन भवन से होगा. यात्रा शहर के सब्जी मंडी होते हुए श्री राणी सती मंदिर, गणेश नगर पहुंचेगी. इस दौरान श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होकर श्री रामदेवजी के जयकारों के साथ ध्वजा अर्पित करेंगे.

जनसेवा के सम्मान में विधायक विजय रहांगडाले का तुलादान

संवाददाता / तिरोड़ा

तिरोड़ा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय रहांगडाले के 59वें जन्मदिन के अवसर पर शुक्रवार दि. 28 अगस्त को पुराने न्यायालय परिसर के समीप श्री संजय सिंह बैस की ओर से तुलादान कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों एवं समर्थकों ने विधायक विजय रहांगडाले को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन विधायक विजय

59वें जन्मदिन पर संजय सिंह बैस की पहल, दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना



रहांगडाले के दीर्घायु जीवन तथा उनके द्वारा किए जा रहे जनसेवा के कार्य निरंतर आगे भी जारी रहें, इसी भावना से किया गया। तुलादान कार्यक्रम के दौरान

इस अवसर पर आयोजक संजय सिंह बैस ने कहा कि विधायक विजय रहांगडाले लंबे समय से तिरोड़ा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र की जनता के साथ जनसेवा के प्रति समर्पण की कार्यों को प्राथमिकता दे रहे हैं। क्षेत्र के विकास तथा नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में वंचांचल समिति के सभापति तेजराम चव्हाण, कृषि उपज मंडी समिति के जितेंद्र (पिटू) रहांगडाले, तिरोड़ा नगराध्यक्ष

जनता की सेवा करते रहें, यही उनकी भावना है। तुलादान कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं ने भी विधायक विजय रहांगडाले के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की। उपस्थित लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए उनका योगदान निरंतर बना रहे। कार्यक्रम में वंचांचल समिति के सभापति तेजराम चव्हाण, कृषि उपज मंडी समिति के जितेंद्र (पिटू) रहांगडाले, तिरोड़ा नगराध्यक्ष

उपस्थित लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम स्थल पर नागरिकों एवं समर्थकों की उपस्थिति से वातावरण उत्सवी नजर आया।

संवाददाता / गोंदिया

शहर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण से नागरिकों का जीवन प्रभावित हो रहा है. विशेषकर मॉडिफाइड सायलेंसर लगी बुलेट व अन्य दोपहिया वाहनों से निकलने वाली कर्णकर्कश आवाज लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है. सामाजिक कार्यकर्ता अमर राहुल ने इस प्रकार के वाहनों के खिलाफ प्रशासन से तत्काल और कड़ी कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने बताया कि कुछ वाहन चालक कंपनी के मूल सायलेंसर को हटाकर तेज आवाज वाले मॉडिफाइड सायलेंसर का उपयोग कर रहे हैं. सड़कों पर अचानक पटाखों जैसी आवाज निकालना तथा अनावश्यक रेंसिंग करना आम नागरिकों के लिए परेशानी



उत्पन्न कर रहा है. इससे बूढ़ों, छोटे बच्चों, विद्यार्थियों, मरीजों तथा रात्रि पाली के बाद आराम करने वाले नागरिकों को विशेष रूप से परेशानी हो रही है. लगातार ध्वनि प्रदूषण से चिड़चिड़ापन, तनाव, नींद में बाधा, एकाग्रता में कमी तथा सुनने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है. ऐसे में यह मामला केवल यातायात व्यवस्था तक सीमित न रहकर नागरिकों के स्वास्थ्य से भी जुड़ गया है. अमर राहुल ने मांग की कि शहर के प्रमुख चौकों, स्कूलों, अस्पतालों व रिहायशी क्षेत्रों में विशेषकर रात के समय पुलिस द्वारा जांच अभियान चलाया जाए.

संपादकीय

नेपाल त्रासदी

बीते बुधवार को नेपाल में आई भयावह जल-प्रलय जैसी घटना में हुई जन-धन की हानि ने प्रकृति के विकराल रूप के सामने हमारी लाचारी को ही दर्शाया है। वहीं भीषण बाढ़ से हुई तबाही ने हिमालयी इलाके में बढ़ते जलवायु जोखिमों और आपदा से निपटने की हमारी तैयारियों में गंभीर चुकों को भी उजागर किया है। इस प्राकृतिक रौद्र में नेपाली लोगों और विदेशियों समेत मरने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही नेपाल के कई जिलों में पुलों, सड़कों व सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान भी पहुंचा है। निस्संदेह, यह विकराल प्राकृतिक आपदा हिमालयी क्षेत्रों में स्थित दक्षिण एशियाई देशों और उनके बाहरी इलाकों के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। शुरुआती आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर टूटने और चट्टानों के खिसकने से भोटेकोशी नदी की सहायक नदी ल्हेन्डे का बहाव रुक गया था, बाद में बढ़ते पानी व मलबे के दबाव से कृत्रिम बांध टूटने से नदी में बाढ़ आ गई। जिसके फलस्वरूप पहाड़ी ढलानों में तेज गति से पानी व मलबा नीचे की ओर रौद्र रूप से बहने लगा। अब भले ही इस तबाही की मूल वजह हिमखंड टूटना, ग्लेशियर झील का फटना, जमीन का खिसकना बताया जा रहा हो, लेकिन हकीकत यह है कि हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक दुर्घटनाओं के लिये हिमालयी पहाड़ बेहद खतरनाक बनते जा रहे हैं। दरअसल, हिमालयी पर्वत शृंखलाओं में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और इसके चलते खतरनाक ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। जिनमें से कई को भविष्य के लिये खतरनाक माना जा रहा है। इस आसन्न संकट में ग्लोबल वार्मिंग की भी बड़ी भूमिका है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि बढ़ता तापमान ग्लेशियरों की पीछे हटने की रफ्तार को बढ़ा रहा है। हाल के वर्षों में बर्फबारी और बारिश के पैटर्न में तेजी से बदलाव भी आ रहा है। जो पहाड़ी ढलानों को अस्थिर बना रहा है। बहुत संभव है कि जलवायु परिवर्तन भले ही हिमालय में होने वाली प्राकृतिक आपदाओं का एकमात्र कारण न हो, लेकिन यह परिवर्तन ऐसी स्थितियां जरूर पैदा कर रहा है, जहां प्राकृतिक आपदाओं की पुनरावृत्ति बढ़ जाए और वे ज्यादा विनाशकारी साबित हों। यही वजह है कि नेपाल में अचानक आई इस बाढ़ को एक बड़े और तेजी से गंभीर होते क्षेत्रीय बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए। आज आपदा के बाद राहत व पुनर्वास को प्राथमिकता बनाने के अलावा समय पूर्व चेतावनी देने वाले सिस्टम को मजबूत करने की जरूरत है। निश्चित रूप से समय रहते आपदा आने की चेतावनी देने वाले सिस्टम से हजारों जिंदगियां बचायी जा सकती हैं। ऐसी आपदाओं में हम संरचनात्मक ढांचे को तो तबाह होने से नहीं रोक सकते हैं, लेकिन जीवन व मृत्यु के अंतर को तो कम कर ही सकते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि नदियां भौगोलिक व राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानती हैं, अतः क्षेत्र के देशों में आपसी सहयोग बढ़ाने के प्रयास तेज करने होंगे। इस त्रासदी के बाद कहा गया कि चीन यदि समय रहते आपदा की सूचना दे देता तो सैकड़ों लोगों की जान बचायी जा सकती थी। बहरहाल, चीन व नेपाल को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि भूस्खलन, ग्लेशियर झीलों, हिमस्खलन और हिमालयी क्षेत्र की नदियों के किसी भी असामान्य व्यवहार को तुरंत दोनों देशों में साझा किया जाए। यह कोशिश उन तमाम देशों के बीच शुरू होनी चाहिए, जिनकी सीमाओं से ये नदियां गुजरती हैं। भारत भी वर्ष 2013 में कैदारनाथ की भयानक त्रासदी झेल चुका है। अब भविष्य में ऐसी आपदाओं को ठालने के लिये किसी तरह की उदासीनता नहीं बरती जा सकती है।

जब तक मांगें पूरी नहीं होगी शहर में सफाई भी नहीं होगी

मूल नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने किया काम बंद

मूल : मूल नगर परिषद के मार्फत स्वच्छता बनाए रखने के लिए वर्षों से कार्यरत ठेका कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर बुधवार, 26 अगस्त से काम बंद आंदोलन शुरू किया गया है। सफाई कर्मियों ने अपनी मांगों का ज्ञापन मुख्याधिकारी, तहसीलदार, विधायक सुधीर मुनगंठीवार को सौंपा. ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि जबतक कर्मचारियों की मांगें पूरी नहीं होंगी तबतक सफाई कार्य बंद रहेगा.

ज्ञापन में कहा गया है कि करीब 7-8 वर्षों से कार्यरत नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों की सफाई और शहरी स्वच्छता जैसे विभिन्न कार्यों में लगे हुए हैं. किंतु उनकी सेवाओं, वेतन और नौकरी की सुरक्षा से संबंधित मुद्दे अभी भी लंबित हैं. ज्ञापन में मांग की गई है कि सभी ठेका कर्मचारियों को उनके काम की अवधि को ध्यान में रखते हुए न्याय मिले, उन्हें न्यूनतम मजदूरी का भुगतान किया जाए, किसी भी कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार न किया जाए और न ही उसे बर्खास्त किया जाए.



पार्षद प्राची आक्केवार ने शहर को साफ रखने के लिए दिन-रात काम करने वाले सफाई कर्मियों को न्याय दिलाने की पहल की है. अब, कर्मचारियों ने उम्मीद जताई है कि विधायक सुधीर मुनगंठीवार इस मामले पर ध्यान देंगे और संबंधित प्रशासन से सकारात्मक निर्णय लेंगे. अचानक की गई इस हड़ताल के कारण शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है.

यह भी कहा जा रहा है कि कुड़े का संग्रहण और सड़क सफाई कार्य ठप होने से प्रशासन को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है.

महानिर्मिती में 10 हजार करोड़ का कोयला घोटाला

नागपुर: कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा देश में सबसे महंगी बिजली महाराष्ट्र में होने की वजह महाजनको (महानिर्मिती) में बड़ा भ्रष्टाचार है। महाराष्ट्र में स्मार्ट मीटर लगाकर आम आदमी की कमर तोड़ी जा रही है जबकि किसी अन्य राज्य में इसे अनिवार्य नहीं किया गया.

अमेरिका में भागवत का विरोध क्यों

पटोले ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लाल किले से कहते हैं कि आरएसएस सबसे बड़ा संगठन है. फिर भागवत का अमेरिका में क्यों विरोध होता है. गैर पंजीकृत संगठनों के पास इतना पैसा कहाँ से आता है. अमेरिका ने इस संगठन को आतंकवादी संगठन घोषित किया है. उन्होंने सवाल किया कि अब यदि उनका लोहट हो रहा है, तो भागवत नागपुर लौटने पर क्या कहेंगे?

‘मिशन संजीवनी’ से 250 स्कूलों का होगा कार्यापलट

दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य, बुनियादी सुविधाओं से लेकर रंग-रूप पर रहेगा जोर

नागपुर : जिले के सरकारी स्कूलों की तस्वीर बदलने के लिए जिला परिषद की ओर से ‘मिशन संजीवनी’ शुरू किया गया है. मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनायक महामुनी की संकल्पना पर इस मिशन के तहत जिले के करीब 200 से 250 स्कूलों का चयन कर उनका कार्यापलट किया जाएगा. फिलहाल स्कूलों का सर्वे शुरू है और दिसंबर तक चयनित स्कूलों में आवश्यक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. मिशन के तहत स्कूलों की इमारतों की खराब हालत में सुधार के साथ दरवाजों की दुरुस्ती, रंगरोगन, कक्षाओं की मरम्मत, मुख्याध्यापक कक्ष, शौचालय, पेयजल और परिसर की सुरक्षा के लिए कंपाउंड वॉल जैसी बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. जिन स्कूलों में सौर ऊर्जा की सुविधा नहीं है, वहां आवश्यकता के अनुसार



सोलर सिस्टम लगाने की भी योजना है. इसी जैसी बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. जिन स्कूलों में सौर ऊर्जा की सुविधा नहीं है, वहां आवश्यकता के अनुसार

स्कूलों को आकर्षक और विद्यार्थियों के अनुकूल बनाने के लिए रंगों का चयन भी विशेष रूप से किया जाएगा. साथ ही चयनित स्कूलों में एकरूपता लाने के उद्देश्य

‘मिशन संजीवनी’ के माध्यम से जिला परिषद के स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के साथ ही विद्यार्थियों के लिए बेहतर और आकर्षक वातावरण तैयार करने का प्रयास है. स्कूलों की जरूरत के अनुसार वहां दुरुस्ती, रंगरोगन, शौचालय, पेयजल, कंपाउंड वॉल, सोलर सिस्टम सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. चयनित स्कूलों का कार्यापलट एक तय योजना के तहत किया जाएगा. दिसंबर तक अधिक से अधिक स्कूलों में काम पूरा करने का हमारा लक्ष्य है.

- विनायक महामुनि, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, नागपुर

से एक जैसे डेस्क-बेंच उपलब्ध कराने की योजना है. यानी केवल मरम्मत तक सीमित न रहते हुए स्कूल परिसर, कक्षाओं और उपलब्ध सुविधाओं का समग्र विकास किया जाएगा.

पेठ कालडोंगरी स्कूल में प्रायोगिक काम अंतिम चरण में : नागपुर तहसील के पेठ कालडोंगरी स्थित स्कूल को ‘मिशन संजीवनी’ के तहत प्रायोगिक तत्व पर तैयार किया गया है. यहां आवश्यक दुरुस्ती,

रंगरोगन और अन्य सुविधाओं से संबंधित काम अंतिम चरण में है. इस स्कूल के अनुभव और काम के आधार पर अन्य चयनित स्कूलों में भी इसी तरह के कार्य किए जाएंगे. फिलहाल जिले के स्कूलों का सर्वे किया जा रहा है. स्कूलों की वास्तविक स्थिति और वहां आवश्यक सुविधाओं का आकलन करने के बाद 200 से 250 स्कूलों का चयन किया जाएगा. दिसंबर तक मिशन के तहत प्रस्तावित काम पूर्ण करने का लक्ष्य है.

अवैध निर्माण के खिलाफ मनपा की कार्रवाई

सोमरस रेस्टोरेंट को नोटिस : जोन से अतिक्रमण हटाया

नागपुर : लकड़गंज जोन अंतर्गत शास्त्रीनगर क्षेत्र में अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण का निरीक्षण किया गया. प्लॉट नंबर 323, द प्रिज्म अपार्टमेंट की 7वीं मंजिल पर स्थित मे. सोमरस रेस्टोरेंट व बार प्रतिष्ठान के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे नोटिस जारी किया गया. सहायक आयुक्त विजय थूलनियमों का उल्लंघन करने की बात प्रतिष्ठान के प्रमुख को दी. वहीं सतरंजीपुरा जोन अंतर्गत मेहंदीबाग पुल के नीचे के परिसर में कुछ नागरिकों द्वारा कब्जा कर रहने तथा परिसर में कुछ अनधिकृत दुकानें बनाए जाने की जानकारी सामने आई. इसके बाद कार्रवाई करते हुए संबंधितों का अनधिकृत सामान और दुकानें हटाकर परिसर को खाली कराया गया.

महापौर नीता ठाकरे के निर्देश पर शहरभर में अनधिकृत निर्माण व अतिक्रमण को हटाया जा रहा है. शुक्रवार 28 अगस्त को अभियान चलाते हुए विभिन्न प्रतिष्ठानों को

बाजार विभाग ने जब्त की दुकान

नागपुर महानगरपालिका के बाजार विभाग की ओर से दिनांक गत दिनों मस्कासाथ टी. बी. कॉम्प्लेक्स-1 स्थित दुकान क्रमांक 16 एवं 19, मस्कासाथ शॉपिंग कॉम्प्लेक्स-2 स्थित दुकान क्रमांक 1/इ तथा दाजी कॉम्प्लेक्स-3 स्थित दुकान क्रमांक 11 के प्रथम एवं द्वितीय तल को बाजार विभाग का उपयोग शुल्क बकाया होने के कारण जब्त किया गया. उक्त दुकानों पर वर्ष 2018 से वर्ष 2026 तक कुल 2906464 रुपए का उपयोग शुल्क बकाया था. बकाया राशि का भुगतान नहीं किए जाने के चलते बाजार विभाग द्वारा यह कार्रवाई की गई. यह कार्रवाई मनपा के उपायुक्त (संपत्ति) मोंश खवले के मार्गदर्शन तथा बाजार अधीक्षक मिलिंद मेश्राम के नेतृत्व में की गई.



नोटिस जारी किए.

मनपा के संबंधित विभागों और

जोन कार्यालयों द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण एवं अनधिकृत निर्माण की जांच की जा रही है. नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधितों को नोटिस देने की कार्रवाई शुरू की गई है. इसमें रेस्टोरेंट, दुकानें, ठेले तथा अन्य प्रकार के अनधिकृत निर्माण शामिल हैं.

बलात्कार के आरोपी को दस साल का कठोर कारावास

चंद्रपुर : 28 फरवरी 2023

को, पीड़िता के घर के पास रहने वाले और पीड़िता द्वारा चाचा कहने वाले आरोपी ने पीड़िता से बलात्कार किया. पीड़िता की मां द्वारा पूछने पर उसने आपबीती बताई. जिससे उसे सरकारी अस्पताल ले जाया गया. डॉक्टरों ने बताया कि उसके साथ बलात्कार हुआ है. शिकायतकर्ता की रिपोर्ट के आधार पर चंद्रपुर शहर पुलिस स्टेशन में अपराध धारा 376 (3), 376 (2) (एन), 450, 506 आईपीसी और 4 पॉक्स अधिनियम 2012 के तहत मामला दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार किया गया था. मामले की गहन जांच के बाद, जांच अधिकारी ने चश्मदीदों, चिकित्सा रिपोर्टों और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को एकत्रित करके न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया. इस मामले की सुनवाई चंद्रपुर स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश पी. एम. गुप्ता के समक्ष हुई.

दो लोगों को शिकार बनाने वाली बाधिन पिंजराबंद

चंद्रपुर : 25 दिन में दो लोगों

की मौत के लिए तथाकथित रूप से जिम्मेदार टी-61 एसएएफ बाधिन

को शुक्रवार को वन विभाग ने पिंजराबंद कर लिया. उसे मिडाला उप-क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 87 पी में पकड़ा गया. पशु चिकित्सा अधिकारी और आरआरटी प्रमुख डॉ. रविकांत खोब्रागड़े ने डार्ट तैयार किया. जिसे शूटर अजय मराठे ने टी-61 एसएएफ बाधिन को मार कर बेहोश किया.

बताया गया कि इस बाधिन ने 11 मई 2026 को, वनिता उडके, किटाली मेंढा, एफडीसीएम कक्ष क्रमांक 219 में और 04 अगस्त 2026 को लगभग दोपहर 3.00 बजे तथा जनकापुर निवासी 54 वर्षीय रमेश काशीवार, जो स्वयं के खेत गुट क्रमांक 168 में खेत में काम करने गए थे उनपर हमला करके शिकार बना लिया था. इस

बाधिन के खेत और गांव के आसपास घूमने से गांव और खेत में काम करने वाले किसानों और



मजदूरों में भय का माहौल बन गया था. इससे पहले भी इस क्षेत्र में इस बाधिन द्वारा मनुष्यों और पालतू जानवरों को मारने की घटनाएं हो रही थीं, जिसके कारण ग्रामीण वन विभाग से नाराज थे. वन विभाग के अनुसार, मानव-वन्ध्यजीव संघर्ष की किसी भी घटना को रोकने के लिए टी-61 (मादा) बाधिन को पकड़ना आवश्यक था.

7 1 4 8 किसानों को अब दिन में मिलेगी बिजली



नागपुर : ‘मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना’ से कृषि क्रांति होने का दावा करते हुए महावितरण ने जानकारी दी है कि जिले के 7,148 किसानों को सिंचाई के लिए अब दिन में बिजली मिलने लगी है.

देर रात में जोखिम उठाकर सिंचाई करने की मजबूरी से अब इन किसानों को मुक्ति मिल चुकी है. उन्हें दिन में अबाधित एवं शाश्वत बिजली हासिल हो रही है.

इस योजना के तहत महावितरण के नागपुर ग्रामीण मंडल की ओर से काटोल तहसील के येनवा सब स्टेशन के तहत येरला धोटे में 4 और 3 मेगावाट क्षमता का अत्याधुनिक सौर ऊर्जा प्रकल्प कार्यान्वित किया है. एमकेएफ सोलर लिमिटेड द्वारा साकार इस प्रकल्प से येनवा, गोडी डिग्रस,

मार्च २७ तक सिंचाई को सौर ऊर्जा

देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना से यह महत्वाकांक्षी योजना आरंभ हुई है. लक्ष्य है कि आगामी मार्च २०२७ के अंत तक सिंचाई के लिए उपयोग होने वाली शत फीसदी बिजली सौर ऊर्जा के माध्यम से उपलब्ध कराई जाए. इसी पार्श्वभूमि में ‘मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना’ आरंभ हुई है. महावितरण के मुख्य अभियंता राजेश नाईक, अधीक्षक अभियंता संजय वाकडे एवं प्रफुल्ल लोडे के नेतृत्व में जिले में और सौर ऊर्जा प्रकल्प तैयार किए जा रहे हैं.

खामली, मोखेडी, कुलंभा, खांडला, सिंगारखेड़ा, येरला धोटे, गोंही, चिखली, डोरली, इसापुर खुर्द और इसापुर बुद्धक गांव के 2,014 किसानों को बिजली मिलेगी. इससे पहले जिले के कचारी सावंगा में 4 मेगावाट, तोंडाखेरी में 3 मेगावाट और सावरगांव में 8 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा प्रकल्प सफलतापूर्वक आरंभ हो चुके हैं. इन प्रकल्पों से जिले में कुल 22 मेगावाट क्षमता के प्रकल्प कार्यान्वित हो चुके हैं.

बीच सड़क पर पत्नी को जिंदा जलाने की कोशिश

संवाददाता । नागपुर

पारडी थाने के तहत प्रेम विवाह के बाद 24 वर्षीय पत्नी से घरेलू हिंसा और बीच सड़क पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. बुधवार 26 अगस्त की रात 11.30 बजे के दरमियान हुई. आरोपी पति सूरज प्रभुनाथ तिवारी (24 वर्ष, ओमानगर, कलमना) है. पुलिस शिकायत के अनुसार 24 वर्षीय पीड़िता और आरोपी पति ने प्रेम विवाह किया था. आरोप है कि सूरज कोई काम नहीं करता. साथ ही शराब पीने का आदी है. वह आए दिन पत्नी से मारपीट करता था. इससे त्रस्त होकर पीड़िता अपने मायके आकर रहने लगी. बुधवार 26 अगस्त की रात आरोपी अपनी पत्नी के मायके पहुंचा. इसके बाद पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए जान से मारने की धमकी देकर चला गया. अगले दिन 27 अगस्त की सुबह करीब 7 बजे आरोपी मोटरसाइकिल से पीड़िता के घर पहुंचा.

छोटे व्यापारियों का रोजगार सुरक्षित रहना भी जरूरी

वर्धा : ‘नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करनेवाले मिलावटखोरों पर कड़ी कार्रवाई होनी ही चाहिए, लेकिन मिलावट रोकने के नाम पर ईमानदारी से कारोबार करने वाले छोटे व्यापारियों का रोजगार बंद नहीं होना चाहिए.’ इस आशय के विचार वर्धा लोकसभा क्षेत्र के सांसद अमर काले ने व्यक्त किए.

खुले तेल की बिक्री पर प्रतिबंध के निर्णय की पृष्ठभूमि में सांसद अमर काले ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि शिरवल को ज्ञापन सौंपकर सरकार का ध्यान इस गंभीर मुद्दे की ओर आकर्षित किया. उन्होंने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थों से जनता की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन इसके साथ ही आम लोगों को किफायती दरों पर खाद्य तेल उपलब्ध होना और छोटे व्यापारियों का रोजगार सुरक्षित रहना भी जरूरी है.

सांसद काले ने कहा कि बाजार में बड़ी कंपनियों का पैकबंद तेल बिकता है, जबकि छोटे व्यापारी बड़ी मात्रा में तेल

खरीद कर पैकिंग कर ग्राहकों को उपलब्ध कराते हैं. यदि कहीं मिलावट की शिकायत है तो जांच, तेल के नमूने लेकर नियमित गुणवत्ता परीक्षण और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए.

उन्होंने स्पष्ट किया कि मिलावटखोरों को संरक्षण नहीं मिलना चाहिए, लेकिन कुछ लोगों की गलती के कारण सभी छोटे व्यापारी वर्ग पर प्रतिबंध लगाना उचित नहीं है. महंगे पैकबंद उत्पादों से आम परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है. इसलिए सरकार को ऐसा व्यावहारिक निर्णय लेना चाहिए, जिससे छोटे व्यापारियों का रोजगार, उपभोक्ताओं के हित और नागरिकों के स्वास्थ्य-तीनों के बीच संतुलन बना रहे. सांसद काले की इस मांग से खाद्य तेल बिक्री का मुद्दा स्वास्थ्य सुरक्षा और रोजगार के बीच संतुलन की बहस बन गया है. सांसद काले से स्थानीय व्यापारियों ने चर्चा की है, जिसके बाद मंत्री को ज्ञापन सौंपा गया.

चंद्रपुर उप विभाग के छह अपराधी जिले से निर्वासित

त्यौहारों के मद्देनजर अपराधियों पर नकेल कस रहा पुलिस विभाग

चंद्रपुर: शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है. चंद्रपुर शहर क्षेत्र के नागरिकों में दहशत फैलाने वाले 6 अपराधियों के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, 1951 की धारा 56 के तहत अलग-अलग निर्वासन की कार्रवाई की गई है. प्रीतम लभाने (28, घुघुसु) को तीन महीने के लिए, नंदकिशोर सोनी (50, रैयतवाड़ी कोलियरी, चंद्रपुर) को छह महीने, शंकर तोळवार (47, जलनगर वाई) को तीन महीने, अंसार अलीम खान पठान (25, इंदिरानगर) को छह महीने, दिनेश मडावी (40, जलनगर वाई, चंद्रपुर) को छह महीने, शिवम रागीट (22, बाबूपेठ वाई, चंद्रपुर) को छह महीने के लिए चंद्रपुर जिले से निर्वासित किया गया है.

सभी छह अपराधियों के खिलाफ चोरी,



संधमारी, गंभीर शारीरिक चोट पहुंचाना, अवैध हथियार रखना, जुआ खेलना, अवैध रूप से शराब रखना और बेचना आदि जैसे कई गंभीर अपराध दर्ज हैं. उनकी दहशत के कारण स्थानीय नागरिक और गवाह अदालत या पुलिस के सामने गवाही देने से डरते थे.

उनकी अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए, घुघुसु, चंद्रपुर शहर और रामनगर पुलिस ने एमपीओए की धारा 56 के तहत निर्वासन का प्रस्ताव तैयार किया था. चंद्रपुर के उप विभागीय मजिस्ट्रेट ने सभी सबूतों की कानूनी रूप से जांच करने के बाद

ब्रह्मपुरी के 4 आदतन अपराधी चंद्रपुर जिले से निष्काषित

ब्रह्मपुरी: अवैध शराब बिक्री और सट्टा-पट्टी के जुए में लिप्त चार आदतन अपराधियों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है. बार-बार कार्रवाई के बावजूद गतिविधियों में सुधार नहीं होने पर उपविभागीय दंडाधिकारी, ब्रह्मपुरी ने चारों को एक माह के लिए चंद्रपुर जिले की सीमा से निष्काषित करने के आदेश दिए. निष्काषित किए गए आरोपियों में संजय लांजेवार (52), सूरज बगमारे (37), कमल सिंह माया सिंह जुनी (25) और वैभव उर्फ गोलू राऊत (30) शामिल हैं. चारों ब्रह्मपुरी पुलिस थाने के रिकॉर्ड पर आदतन अपराधी हैं. इनके खिलाफ अवैध शराब बिक्री और सट्टा-पट्टी जुए के मामले दर्ज हैं. ब्रह्मपुरी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ उपलब्ध रिकॉर्ड एवं सबूतों के आधार पर निष्काषण का प्रस्ताव एसडीएम के समक्ष प्रस्तुत किया. 19 अगस्त को आदेश जारी होने के बाद पुलिस ने चारों को चंद्रपुर जिले की सीमा से बाहर रवाना कर दिया. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक आयुष नोपानी, अपर पुलिस अधीक्षक ईश्वर काटकाड़े, उप विभागीय पुलिस अधिकारी साहित झरकर और पुलिस निरीक्षक प्रमोद बानबले के मार्गदर्शन में की गई. कार्रवाई में सपोनि मनोज खडसे सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया.

इन छह आरोपियों को निर्वासित करने का आदेश जारी किया है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक आयुष नोपानी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ईश्वर काटकाड़े, चंद्रपुर उपमंडल पुलिस अधिकारी प्रमोद चंगुले और घुघुसु

पुलिस थाना प्रभारी प्रकाश राऊत, चंद्रपुर शहर थाना प्रभारी निशिकांत रामटेके और रामनगर पुलिस स्टेशन की प्रभारी प्रभावती एचुरे की टीम ने इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया.

मंत्री उईके के आवास की ओर पैदल निकले छात्र

सातेफल में आदिवासी छात्रों को रोका गया

संवाददाता । चांदूर रेलवे
अमरावती आदिवासी विकास विभाग के खिलाफ 20 अगस्त से जारी ठिया आंदोलन केबावजूद मांगें पूरी नहीं होने पर आदिवासी विद्यार्थियों ने गुरुवार शाम को पैदल लॉन मार्च शुरू कर दिया. विद्यार्थी आदिवासी विकास मंत्री अशोक उईके के यवतमाल स्थित निवास की ओर रवाना हुए. मार्च की जानकारी मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया. शुक्रवार को विद्यार्थियों का मार्च चांदूर रेलवे तहसील के सातेफल चौराहे पर पहुंचा. यहां सांसद बलवंत वानखड़े, जिलाधिकारी आशीष येरेकर, पूर्व विधायक वीरेंद्र जगताप, परीक्षित जगताप, पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम और आदिवासी अपर

आयुक्त सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे. अधिकारियों ने छात्रों के साथ भोजन कर समझाया अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों से चर्चा कर उनकी समस्याएं जानीं और मार्च वापस लेने का आग्रह किया. इस दौरान अधिकारियों व नेताओं ने आंदोलनकारी विद्यार्थियों के साथ भोजन भी किया. चर्चा के बाद विद्यार्थियों ने फिलहाल मार्च रोक दिया. विद्यार्थियों की प्रमुख मांगों में आदिवासी विकास विभाग के 5 और 14 अगस्त 2026 के विवादित शासन आदेश रद्द करना, छात्रावास प्रवेश के लंबित आवेदनों पर तत्काल प्रवेश देना, महाडीबीटी छात्रवृत्ति का पुनर्भुगतान इसी



शैक्षणिक सत्र में करना और पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना की बकाया राशि छात्रों के खातों में जमा करना शामिल है. योजना के लिए स्वतंत्र ऑनलाइन पोर्टल तथा अमरावती के 1,000 क्षमता वाले शासकीय छात्रावास की क्षमता

बढ़ाकर 2,000 करने की मांग भी की गई है. विद्यार्थियों की मांगों के समर्थन में सांसद बलवंत वानखड़े ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर शासन के नियमों पर पुनर्विचार करने और लंबित

मांगों का तत्काल समाधान करने की मांग की है. पत्र में उल्लेख किया है कि अमरावती, यवतमाल, अकोला, वाशिम और बुलढाणा जिलों के आदिवासी विद्यार्थी शासन निर्णयों की दमनकारी शर्तों और संशोधित नियमावली के खिलाफ धरने पर बैठे थे. उन्होंने कहा कि छात्रावासों में रहने की आयु सीमा, स्थानीय छात्रों का आरक्षण, छात्र संगठनों में भागीदारी पर प्रतिबंध और दूसरी डिग्री लेने वाले छात्रों से जुड़े नियम विद्यार्थियों के संवैधानिक अधिकारों का हनन करते हैं. इसलिए इन नियमों पर पुनर्विचार कर इन्हें रद्द किया जाना चाहिए. अमरावती के एक नामी स्कूल में हुई छात्र की मृत्यु की गहन जांच कराने, दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की.

कागजों पर ‘टीबी-मुक्त भारत’ का नारा

बीपीएचयू केंद्रों में किट्स का अकाल

टू-नैट मशीन होने पर भी जांच पर ब्रेक

संवाददाता । परतवाड़ा
एक तरफ केंद्र और राज्य सरकार द्वारा ‘टीबी-मुक्त भारत’ का दिढ़ोरा पीटा जा रहा है, वहीं जिले के बीपीएचयू केंद्रों में टीबी रोग की जांच के लिए आवश्यक किट्स की कमी पैदा हो गई है. पिछले एक महीने से टू-नैट मशीन की किट्स उपलब्ध न होने से जांच की गति धीमी हो गई है और अत्याधुनिक यंत्रणा होने के बावजूद मरीजों को इंतजार करना पड़ रहा है. टू-नैट मशीन का उद्देश्य बीपीएचयू केंद्रों में टू-नैट मशीन उपलब्ध कराने के पीछे टीबी रोग का जल्दी और सटीक उपचार करने का उद्देश्य है. मात्र, इस मशीन के लिए आवश्यक किट्स की आपूर्ति ही ठप होने से अत्याधुनिक यंत्रों का अपेक्षित उपयोग नहीं हो रहा है. पिछले महीने भर से किट्स उपलब्ध न होने से जांच का काम धीमी गति से शुरू होने की जानकारी है. टीबी रोग एक संक्रामक बीमारी होने से इसका समय पर पता चलना उपचार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है. जांच में देरी होने से मरीज के उपचार के साथ-साथ संक्रमण के प्रसार को रोकने के प्रयासों पर भी असर होने की संभावना होती है.

टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य पर सवाल टीबी रोग का उन्मूलन करने के लिए शासन द्वारा विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं. इसके लिए ग्रामीण और दुर्गम भाग के नागरिकों को उनके नजदीक ही जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है. मात्र, जिस केंद्र पर टीबी रोग की जांच होना अपेक्षित है, वहां आवश्यक किट्स उपलब्ध न हों तो ‘टीबी-मुक्त भारत’ का लक्ष्य कैसे साध्य होगा, यह सवाल उठ रहा है. घोषणा और प्रत्यक्ष स्वास्थ्य केंद्रों की परिस्थिति में मौजूद अंतर से अनेक गड़बड़ी सामने आ रही है. इसलिए किट्स की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की जरूरत निर्माण हुई है. प्रयोगशाला की व्यवस्था पर भी सवाल स्वास्थ्य केंद्रों की प्रयोगशाला मरीजों की अचूक जांच, निदान के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है, इसलिए कर्मचारी नियमित उपलब्ध न होने पर जांच के लिए आने वाले मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. किसी भी अस्पताल का दौरा करते समय वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रत्यक्ष निरीक्षण कर वस्तुस्थिति स्पष्ट करना चाहिए.

सोयाबीन पर संकट, अभी भी तेज बारिश की जरूरत



संवाददाता । वर्धा
इस वर्ष खरीफ सीजन सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए संकटों की श्रृंखला बनता जा रहा है. नकली बीजों के कारण कई स्थानों पर अंकुरण नहीं होने से किसानों को कर्ज लेकर दोबारा बुआई करनी पड़ी. अब बारिश की अनिश्चितता के बीच सोयाबीन फसल पर पतियां खाने वाली हरी इल्ली, उंट इल्ली तथा घोंघे का प्रकोप बढ़ने से किसान फिर मुश्किल में फंस गए हैं. पिछले वर्ष यलो मोजेक रोग के कारण बड़ी संख्या में किसानों की सोयाबीन फसल बर्बाद हुई थी. आर्थिक नुकसान के चलते कुछ किसानों ने खड़ी फसल में मवेशी छोड़ दिए थे,

जबकि कुछ किसान कटाई का खर्च नहीं उठा पाने के कारण फसल खेत में ही छोड़ने को मजबूर हुए थे.

इस वर्ष अच्छी उपज की उम्मीद में किसानों ने खेत की तैयारी, महंगे बीज और रासायनिक खाद पर बड़ी राशि खर्च की. कई स्थानों पर बीज अंकुरित नहीं होने की शिकायतों के बाद किसानों को आर्थिक जुगाड़ कर दोबारा बुआई करनी पड़ी. बारिश में आए अंतराल के कारण शुरूआत में बुआई प्रभावित हुई थी. इसके बाद आद्रा और पुनर्वसु नक्षत्र में हुई बारिश से बुआई पूरी

हुई और फसल की बढ़वार शुरू हुई. सोयाबीन में फूल आने के समय बारिश की आवश्यकता थी, लेकिन बारिश ने मुंह मोड़ लिया. पौधों में फलियां लगने के बाद भी पर्याप्त बारिश नहीं हुई. लगातार बादल और उमस भरे मौसम के कारण सोयाबीन की पतियों पर हरी इल्ली और उंट इल्ली का प्रकोप दिखाई देने लगा है.

पतियां खाने वाली इल्ली का प्रकोप

ये इल्लियां बड़ी मात्रा में पतियां खा रही हैं. इल्ली नियंत्रण के लिए कई किसानों ने महंगे कीटनाशकों का छिड़काव किया, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने की शिकायत है. अब फसल में बड़ी संख्या में घोंघे भी दिखाई दे रहे हैं. इसके साथ ही कई खेतों में सोयाबीन के पौधे पीले पड़ने लगे हैं. इससे फसल की बढ़वार और उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका से किसान चिंतित हैं.

नागपुर की महिला चोर गिरफ्तार



संवाददाता । वर्धा
बस में सफर के दौरान महिला यात्री को लक्ष्य बनाते हुए आभूषण व नकद पर हाथ साफ करने वाली नागपुर की महिला चोर को समुद्रपुर पुलिस ने हिरासत में लिया. उससे लगभग 3 लाख 66 हजार रुपये का माल बरामद किया गया. जानकारी

रामेश्वरी रिंग रोड रहाटेनगर टोली निवासी शालिनी संदीप हातागडे (25) नामक महिला चोर की पहचान हुई.

पुलिस ने महिला को हिरासत में लिया. पूछताछ में उसने तिन चोरी के मामले कबूल किए, उससे 7 तोला सोने के आभूषण व नकद कुल 3 लाख 66 हजार का माल जब्त किया गया. इस कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक सौरभकुमार अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक सदाशिव वाघमारे, उपविभागीय पुलिस अधिकारी सुशीलकुमार नायक के मार्गदर्शन में थानेदार दीपक वानखड़े के निर्देश पर डीबी दल के पुलिसकर्मी प्रकाश मैद, कपील मैश्राम, विशाल बंगाले, संजय वानखड़े ने अंजाम दिया.

बस में देती थी चोरी को अंजाम, 3.66 लाख का माल किया बरामद

1.09 करोड़ रुपये का माल जब्त, 157 आरोपी अरेस्ट

वर्धा : जिले में अवैध शराब की बिक्री और निर्माण पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस ने 20 से 21 अगस्त के दौरान नियोजित तरीके से ‘वॉशआउट’ मुहिम चलाकर बड़ी कार्रवाई की. अभियान के दौरान अवैध देशी-विदेशी शराब बिक्री के 37 तथा गांवटी शराब बिक्री के 111, कुल 148 मामले दर्ज किए गए. कार्रवाई में 157 आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर करीब 1 करोड़ 9 लाख रुपये का शराब एवं संबंधित माल जब्त किया गया. पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार अग्रवाल ने अभियान की योजना तैयार की थी. पुलिस को जानकारी मिली थी कि जिले में अवैध शराब बनाने वाले बड़े पैमाने पर शराब तैयार कर उसका भंडारण कर रहे हैं. इसके आधार पर शहर से सटे क्षेत्रों, गांवों के बाहर, जंगल एवं दुर्गम इलाकों में स्थित अवैध शराब भट्टियों पर निगरानी रखी गई.

सांसद बोंडे को मिली धमकी

अमरावती : राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल बोंडे को सोशल मीडिया पर मारने की धमकी देने और उनके पिता को अश्लील गालियां देने वाले आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और तुरंत गिरफ्तारी की मांग को लेकर मोर्शों में विरोध प्रदर्शन किया. सुनील सोमवंशी के नेतृत्व में मोर्शों शहर और तहसील के सैकड़ों संतप्त भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने मोर्शों थाने पर मोर्चा निकाला और थानेदार राहुल आठवले को ज्ञापन सौंपा.



शिवसेना जिला प्रमुख गुडघे ने धमकाया : शिकायत में बताया गया कि शिवसेना उबाठा के जिला प्रमुख पराग गुडघे ने सोशल मीडिया पर खुलेआम डॉ. बोंडे के

संवाददाता / वर्धा

रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, स्नेह और मानवता का संदेश देने वाला त्योहार है. देश में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए ऐसे उपक्रमों के माध्यम से युवाओं के सामने आदर्श प्रस्तुत करने की आवश्यकता है. रक्षाबंधन के माध्यम से जाति, धर्म, पंथ और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर मानवता, प्रेम और अपनत्व की भावना मजबूत होती है. यह विचार 21 महाराष्ट्र एनसीसी बटालियन के सूबेदार विनोद कुमार ने व्यक्त किए.

स्काउट के जिला प्रशिक्षण केंद्र



सभागार में 28 अगस्त को आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम की अध्यक्षता रोवर स्काउट के जिला आयुक्त तथा एनसीसी अधिकारी कैप्टन मोहन गुजरकर ने की. प्रमुख अतिथि के रूप में सूबेदार विनोद कुमार, हवलदार अश्विन सिंह, गाइड की जिला संगठक वैशाली घोम, जिला

संगठक नितेश झाड़े, सहायक जिला आयुक्त राजहंस जंगले, राष्ट्रीय सेवा योजना

के विभागीय समन्वयक रोवर लीडर प्रा. रविंद्र गुजरकर, रोवर लीडर संतोष तुरक, रैंजर लीडर कल्याणी लिखार और प्रियंका ठोसर उपस्थित थीं. कैप्टन

मोहन गुजरकर ने कहा कि स्काउट-गाइड आंदोलन आदर्श नागरिक तैयार करने वाली संस्था है. इसके प्रशिक्षण से साहस, जागरूकता, नैतिक मूल्य, देशप्रेम, स्वावलंबन और कर्तव्य भावना विकसित होती है. कार्यक्रम में रैंजर्स ने रक्षाबंधन से जुड़ी कथाओं का कथाकथन भी प्रस्तुत किया. कार्यक्रम का संचालन रोवर ऋतुराज पोहनकर व तेजस वाघाड़े ने किया तथा आभार राधिका नागोसे ने माना. आयोजन की सफलता के लिए प्रियंका ठोसर, राजेश जयस्वाल, विपुल पैदाम, तनिषा उईके, राधिका नागोसे व रोहन रेंजर्स ने सहयोग किया.

समाजरक्षकों को बांधी गई राखी



संवाददाता / वर्धा
रक्षाबंधन के अवसर पर केवल भाई-बहन के रिश्ते का उत्सव मनाने के बजाय समाज और जनता की सुरक्षा व सेवा में सदैव तत्पर रहने वाले समाजरक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से वर्धा विभाग मोहीम समिति

की ओर से ‘स्वराज्य बंधन’ सामूहिक रक्षाबंधन समारोह आयोजित किया गया. पिछले वर्ष से शुरू इस सामाजिक पहल के तहत पुलिस प्रशासन,

कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि किरण खडसे, प्राजक्ता मुते, अनुप जयसवाल, उज्जल ठाकरे, कोस्तुभ पाचाळे उपस्थित थे. प्रस्तावना प्रतीक पवार ने रखी, संचालन कोमल शीतले

ने किया तथा आभार तेजस ठाकरे ने माना. इस अवसर पर शिवसंकल्प बहुउद्देशीय संस्था, शिवस्वराज्य बहुउद्देशीय संस्था तथा वर्धा क्रांति मोहीम समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे. समिति ने नागरिकों से भी ऐसे सामाजिक उपक्रमों में सहभागी होकर सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश आगे बढ़ाने का आह्वान किया.

दुनियाभर के हाथों पर बंधेगी मेलघाट की राखी

संवाददाता / परतवाड़ा

अपनी रक्षा की कामना करते हुए अभी विगत वर्ष ही जिस राखी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी इनके हाथों पर बतौर रक्षा सूत्र बांधा गया था, आज आदिवासी अंचल मेलघाट में बांस से निर्मित वही राखी वैश्विक स्तर पर भाड़यों की कलाइयों को सजाने का काम कर रही है. यह एक आनंदवर्धन, सकारात्मक खबर है कि मेलघाट के आदिवासी कारीगरों द्वारा बांस से बनाई गई पर्यावरण हितैषी राखियां अब विदेशों में भी मशहूर हो रही हैं. इस साल अमेरिका, जर्मनी, आयरलैंड, जापान के प्रमुख शहरों



में ये राखियां भेजी गई हैं. 150 लोगों को मिला रोजगार : मेलघाट की वेणु शिल्पी औद्योगिक संस्था लवादा ग्राम के माध्यम से बांस से विभिन्न प्रकार की राखियां तैयार की जाती हैं.

लगभग 150 लोगों को इससे रोजगार मिला है, जिसमें 70 महिलाएं हैं. धारणी तहसील के लवादा, चित्री, घोटा और कोठाइन चार गांवों में महिलाएं प्रमुख रूप से राखी बनाने का काम करती हैं.

आदिवासी विभाग का सहयोग इस अभिनव उपक्रम को आदिवासी विभाग के शबरी आदिवासी वित्त व विकास निगम का सहयोग और मार्गदर्शन मिल रहा. महाराष्ट्र के साथ ही देश के

एक राखी बनाने में 15 से 20 मिनट

बांस से राखी निर्मिति इस केंद्र पर एक कुशल कारागीर को एक राखी तैयार करने के लिए 15 से 20 मिनट लग जाते हैं. दिमाग का प्रयोग कर की गई आकर्षक रचना और पर्यावरण अनुकूल स्वरूप के कारण इस वर्ष के रक्षाबंधन पर मेलघाट की राखियां विशेष आकर्षण बनी हुई हैं. मेलघाट में बांस से निर्मित की गई इन राखियों को नासिक स्थित शबरी कार्यालय में भी उपलब्ध कराया गया है. यह भी उल्लेखनीय है कि मराठा प्रसारक महाविद्यालय के छात्रों द्वारा इन दिनों राखी तैयार करने का सांचा और बांस निर्मित विभिन्न वस्तुओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है.

मुंबई, पुणे, कानपुर, दिल्ली, बंगलूर, संभाजीनगर, नागपुर आदि शहरों में बांस की राखी और राखी तैयार करने का सांचा उपलब्ध कराया जा चुका है. पुणे और नागपुर के अनेक विद्यालयों

द्वारा राखी बनाने के सांचे खरीदी कर छात्रों को हस्तकला का अनुभव लेने का अवसर दिया गया है. इस कारण विद्यार्थियों को भी अपने सुप्त गुण और कौशल्य को निखारने की संधि प्राप्त.

गोंदिया के सुसज्जित क्रीड़ा संकुलों का लाभ उठाएं

संवाददाता / गोंदिया
गोंदिया जिले में क्रीड़ा संस्कृति को और मजबूत बनाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को आधुनिक क्रीड़ा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला तथा तालुका क्रीड़ा संकुलों का निर्माण किया गया है और आज ये संकुल सैकड़ों खिलाड़ियों के लिए अपने अधिकार का प्रशिक्षण केंद्र बन रहे हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिले के नागरिकों, विद्यार्थियों, स्कूलों, महाविद्यालयों और क्रीड़ा मंडलों से इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय ने की है।

मरारटोली, गोंदिया में 6 हेक्टेयर क्षेत्र में निर्मित जिला क्रीड़ा संकुल अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। यहां इंडोर हॉल, स्विमिंग पूल, पैवेलियन भवन, बच्चों का छात्रावास, 400 मीटर दौड़ पथ, क्रिकेट, फुटबॉल, लॉन टेनिस, हैंडबॉल, वॉलीबॉल, खो-

ग्रामीण खिलाड़ियों के लिए आधुनिक मंच

खो, कबड्डी आदि खेलों के मैदान, सुरक्षा दीवार, आंतरिक सड़कें, जल निकासी व्यवस्था, सौर ऊर्जा प्रणाली और विद्युतीकरण की सुविधा उपलब्ध है तथा प्रतिदिन लगभग 500 से 600 खिलाड़ी इस संकुल का लाभ उठा रहे हैं।

तिरोड़ा, सालेकसा, गोंदिया (कामठा), देवरी, गोरेगांव, आमगांव, सड़क अर्जुनी और अर्जुनी मोरगांव इन तालुकों के क्रीड़ा संकुल भी कार्यान्वित हो गए हैं। इन संकुलों में 200 मीटर दौड़ पथ, मल्टीपर्पज इनडोर बैडमिंटन हॉल, खो-खो, कबड्डी, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल के मैदान, कार्यालयीन इमारतें, जलपूर्ति, आंतरिक सड़कें, ड्रेनेज और सुरक्षा दीवार जैसे प्रथम चरण के कार्य पूरे हो चुके हैं और खिलाड़ी नियमित अभ्यास कर रहे हैं।

दूसरे चरण में दौड़ पथ का



अपग्रेडेशन, सिंथेटिक वॉलीबॉल कोर्ट, जिम हॉल, बैडमिंटन हॉल और प्रसाधनगृहों का आधुनिकीकरण, चैनलिक फेंसिंग, सोलर सिस्टम, विद्युतीकरण, हाईमास्ट लाइटें, आंतरिक सीमेंट सड़कें, पेविंग ब्लॉक

और पेयजल सुविधाएं स्थापित करने के कार्य तेजी से शुरू हैं और उन्हें निधारित अवधि में पूरा किया जाएगा। विशेष रूप से तिरोड़ा में आर्चरी और कराटे, जबकि सालेकसा में कबड्डी और खो-खो का नियमित प्रशिक्षण शुरू



हैं। अर्जुनी मोरगांव के तालुका क्रीड़ा संकुल में मल्टीपर्पज गेम हॉल, 200 मीटर दौड़ पथ, सुरक्षा दीवार तथा कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल कोर्ट के कार्य पूरे हो चुके हैं। हालांकि संबंधित भूमि के संबंध में उच्च न्यायालय में मामला लंबित होने के कारण आगे के विकास कार्य फिलहाल स्थगित हैं। सभी क्रीड़ा संकुलों में सुबह

6.30 से 8 और शाम 5 से 6.30 बजे तक प्रशिक्षित क्रीड़ा मार्गदर्शकों के माध्यम से वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, कराटे और आर्चरी का नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है और सैकड़ों बच्चे-बच्चियां इसमें भाग ले रहे हैं। जिले के खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर गोंदिया जिले

का नाम रोशन किए जाने की जानकारी जिला क्रीड़ा अधिकारी लक्ष्मीशंकर यादव ने दी। उन्होंने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों से क्रीड़ा संकुलों का दौरा कर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने और 'खेल ही जीवनशैली' का संदेश समाज में स्थापित करने के लिए पहल करने की अपील की।

फसलों पर कीट रोग सर्वेक्षण व सलाह

संवाददाता / गोंदिया
महाराष्ट्र शासन के कृषि विभाग द्वारा किसानों को फसलों पर कीट व रोगों के प्रकोप की समय पर पहचान कर उचित उपाययोजना करने में सक्षम बनाने के लिए क्रॉपसैप (CROPSAP)-फसल पर कीट व रोग सर्वेक्षण व सलाह परियोजना लागू की जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत विभिन्न फसलों में पाए जाने वाले कीटों व रोगों का नियमित सर्वेक्षण किया जाता है।

सर्वेक्षण से प्राप्त होने वाली जानकारी के आधार पर फसलों पर कीटों व रोगों का प्रकोप, उसकी तीव्रता और परिस्थिति के अनुसार किसानों को उचित समय पर

परियोजना का लाभ लेकर फसलों का संरक्षण करें

फसल संरक्षण की सलाह दी जाती है। किसानों के लिए क्रॉपसैप परियोजना का उपयोग फसलों पर कीटों व रोगों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान करने में मदद करता है। कीटों व रोगों का प्रकोप बढ़ने से पहले आवश्यक उपाययोजना की जा सकती है। कृषि विभाग द्वारा फसल की स्थिति के अनुसार वैज्ञानिक व तकनीकी मार्गदर्शन मिलता है।

अनावश्यक कीटनाशकों के छिड़काव से बचते हुए आवश्यकता के अनुसार ही फसल संरक्षण उपाययोजना की जा सकती है। उचित कीटनाशक, उचित मात्रा व

उचित समय पर छिड़काव करने के संबंध में मार्गदर्शन मिलता है। एकीकृत कीट प्रबंधन (IPM) की उपाययोजनाओं को प्रोत्साहन मिलता है।

किसानों को अपने खेत में फसलों का नियमित निरीक्षण करना चाहिए। फसल पर कीट या रोग के लक्षण पाए जाने पर सहायक कृषि अधिकारी, मंडल कृषि अधिकारी, तालुका कृषि अधिकारी या कृषि विभाग के संबंधित कर्मचारियों से संपर्क करना चाहिए। साथ ही कृषि विभाग द्वारा क्रॉपसैप के अंतर्गत दी जाने वाली कीट-रोग व फसल

संरक्षण संबंधी सलाह की जानकारी नियमित रूप से लेनी चाहिए व उसी के अनुसार उपाययोजना करनी चाहिए। फसलों का नियमित निरीक्षण करना चाहिए व कीट व रोग के लक्षणों की पहचान कर कृषि विभाग की सलाह लेनी चाहिए तथा उचित समय पर उचित उपाययोजना करनी चाहिए। सभी किसान भाइयों से फसल पर कीट रोग सर्वेक्षण व सलाह परियोजना का लाभ लेकर फसलों का प्रभावी फसल संरक्षण करने का आह्वान जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी, गोंदिया ने किया है।

गोंदिया : महाराष्ट्र राज्य विधि सेवा प्राधिकरण मुंबई व जिला विधि सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्रमुख जिला व सत्र न्यायाधीश, गोंदिया के आदेशानुसार जिला विधि सेवा प्राधिकरण व जिला न्यायालय गोंदिया के माध्यम से ग्रामपंचायत कवलेवाड़ा ता. गोरेगांव में २१ अगस्त २०२६ को 'राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस' के अवसर पर कानूनी जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिला विधि सेवा प्राधिकरण के सचिव एन.के. वालके, सहायक लोकअभिरक्षक एडवोकेट अतुल येडे, रिटनर/पैनल लॉयर एडवोकेट रोशनी पटले, पुलिस पाटील डोंगरटोला किशोरकुमार भगत, पुलिस पाटील कवलेवाड़ा राहुल बोरकर, ग्रामपंचायत कवलेवाड़ा सरपंच सकुंतला कटरे, उपसरपंच टोमेंद्र तांडेकर, ग्रामविकास अधिकारी एस.एस. पाझारे,

पी.एल.व्ही. आनंदकुमार पटले, पूर्व पं.स. सदस्य कुतनबाई पारधी व कवलेवाड़ा गांव के ग्रामीण उपस्थित थे।

इस अवसर पर एडवोकेट अतुल येडे ने २१ अगस्त राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस, 'थ्रि' की राष्ट्रीय विधि सेवा हेल्पलाइन और नालसा पोर्टल, नालसा जागरूकता योजना २०२५, नालसा योजना २०२५ के अंतर्गत शिक्षा, रोकथाम और पुनर्वास उपाययोजनाएं, समाज में महिलाओं की सुरक्षा और गोपनीयता इन विषयों पर जानकारी दी।

एडवोकेट रोशनी पटले ने वैकल्पिक विवाद निवारण (ॐ) और उनके लाभ, नागरिकों के मूलभूत कर्तव्य, पीड़ित व्यक्तियों के लिए सुआवाजा योजना, वन्यजीव-मानव संघर्ष मामलों में पीड़ितों को न्याय दिलाने के संबंध में 'थ्रि' योजना २०२५ इन विषयों पर मार्गदर्शन किया।

एडवोकेट एन.के. वालके ने अध्यक्षीय

भाषण में वरिष्ठ नागरिकों के कर्तव्य व अधिकार के बारे में जानकारी दी। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों की 'समस्याएं', उनके अधिकार, कानूनी संरक्षण, मुफ्त कानूनी सेवाओं तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया।

इस अवसर पर बताया गया कि वरिष्ठ नागरिक समाज के मार्गदर्शक हैं और उनके अनुभव व ज्ञान का सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक जिम्मेदारी है। उक्त कार्यक्रम के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को कानूनी सहायता व जिला विधि सेवा प्राधिकरण के विभिन्न उपक्रमों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का संचालन किशोरकुमार भगत ने किया, जबकि उपस्थित लोगों का आभार राहुल बोरकर ने माना। कार्यक्रम में कवलेवाड़ा गांव के निवासी तथा जिला विधि सेवा प्राधिकरण गोंदिया के कर्मचारी व पी.एल व्ही सहित लगभग १०० नागरिक उपस्थित थे।

छत्रपती दुबे प्राथमिक शाला में स्पोर्टिंग टर्फ का उद्घाटन

विद्यार्थियों को खेल प्रशिक्षण एवं अभ्यास के लिए मिलेगी बेहतर सुविधा

संवाददाता / तिरोड़ा
छत्रपती दुबे प्राथमिक शाला में विद्यार्थियों की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से नवनिर्मित स्पोर्टिंग टर्फ का उद्घाटन विधायक विजयभाऊ राहंगडाले के शुभहस्ते किया गया। इस अवसर पर तिरोड़ा नगराध्यक्ष अशोकजी असादी, उपाध्यक्ष राजेश गुनेरिया सहित नगरसेवक एवं नगरसेविकागण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। स्पोर्टिंग टर्फ की सुविधा उपलब्ध होने से विद्यालय के विद्यार्थियों को विभिन्न खेलों के लिए नियमित अभ्यास तथा बेहतर प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। इससे विद्यार्थियों की खेल क्षमता और कौशल विकसित होने के साथ-साथ उनके



आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। विद्यालय में खेल सुविधाओं के विस्तार से विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है। खेलों के माध्यम से अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने में भी सहायता मिलेगी।

इस पहल को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा तिरोड़ा क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने

की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। स्पोर्टिंग टर्फ का लाभ विद्यालय के विद्यार्थियों को नियमित रूप से मिलेगा, जिससे स्थानीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध होगा। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वास्थ्य, परंपरा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा

जंगली सब्जियों के संरक्षण से स्वस्थ जीवनशैली और ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण का संदेश

बरसात शुरू होते ही जंगल, खेत-खलिहानों और पहाड़ी दर्रा में प्राकृतिक रूप से उगने वाली जंगली सब्जियों की भरमार दिखाई देती है। कभी ग्रामीण जीवन का अभिन्न हिस्सा रही ये जंगली सब्जियां आज आधुनिक जीवनशैली में पीछे छूटी जा रही हैं। ऐसी स्थिति में जंगली सब्जी महोत्सव जैसे उपक्रम केवल पारंपरिक खाद्यसंस्कृति को संरक्षित करने वाले ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्यवर्धक आहार के प्रति जागरूकता पैदा करने वाले और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने वाले साबित हो रहे हैं।

गोंदिया जिले के तालुकों में जंगली सब्जी महोत्सव शुरू है। इस महोत्सव में महिला बचत समूह, उमेद अभियान के स्वयं-सहायता समूह और महिला किसानों ने आयोजित उपक्रम में भाग लिया है। गोंदिया तालुकास्तरीय जंगली सब्जी महोत्सव में पाक कला प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह ग्रामीण महिलाओं के स्वावलंबन, स्थानीय उत्पादों के बाजार और जंगली सब्जियों की बढ़ती मांग की गवाही देने वाली साबित हुई।

जंगली सब्जियां यानी प्रकृति की स्वास्थ्यसंपदा जंगली सब्जियां किसी भी रासायनिक खाद और कीटनाशक के बिना प्राकृतिक रूप से उगती हैं। इसलिए उन्हें सुरक्षित, पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है। काटवल, सुरण, तरोटा, खापरखुटी, अंबाडी, सहजन, घोलभाजी, कोचई के पत्ते, केना, पातूर भाजी, मशरूम जैसी जंगली सब्जियों में प्रोटीन,

आयरन, कैल्शियम, विटामिन, रेशेदार घटक और सूक्ष्म पोषक तत्व बड़ी मात्रा में पाए जाते हैं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, पाचन क्रिया सुधारने और कई बीमारियों से सुरक्षा पाने के लिए ये सब्जियां उपयोगी साबित होती हैं।

परंपरा को संरक्षित करने और नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता

आज की फास्टफूड संस्कृति में कई बच्चों को जंगली सब्जियों के नाम भी पता नहीं हैं। पहले हमारे पूर्वजों के आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा रही ये सब्जियां धीरे-धीरे विस्मृति में जा रही हैं। इसलिए जंगली सब्जी महोत्सव नई पीढ़ी को अपनी पारंपरिक खाद्यसंस्कृति से परिचित कराता है। इस महोत्सव के माध्यम से जंगली सब्जियों का पौष्टिक मूल्य, उनसे तैयार होने वाले विभिन्न व्यंजन और उनके औषधीय गुण लोगों तक पहुंचते हैं।

महिला बचत समूहों के लिए आय का साधन

जंगली सब्जी महोत्सव केवल प्रदर्शन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए आय का नया मार्ग बन रहा है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध जंगली सब्जियों का मूल्यवर्धन करके उनसे विभिन्न खाद्य पदार्थ तैयार करने पर महिलाओं को रोजगार के नए अवसर इस माध्यम से उपलब्ध हो

सकते हैं। उचित प्रसंस्करण, पैकेजिंग और बाजार उपलब्ध होने पर जंगली सब्जियों पर आधारित लघु उद्योग बड़े पैमाने पर विकसित हो सकते हैं।

जंगली सब्जी महोत्सव क्यों आवश्यक है?

जंगली सब्जी महोत्सव से लोगों में स्वास्थ्यवर्धक आहार के प्रति जागरूकता पैदा होती है, पारंपरिक खाद्यसंस्कृति का संरक्षण होता है, स्थानीय जैवविविधता के महत्व को रेखांकित किया जाता है और ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक अवसर उपलब्ध होते हैं। साथ ही जंगली सब्जियों का संरक्षण, उन पर अनुसंधान और प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है। ऐसे उपक्रमों से 'स्वास्थ्यवर्धक आहार, समृद्ध किसान और सक्षम महिला' इस उद्देश्य को वास्तविक रूप में साकार करने में मदद मिलती है।

जंगली सब्जियां केवल बरसात में मिलने वाली सब्जियां नहीं हैं, बल्कि वे हमारे स्वास्थ्य, संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की अमूल्य धरोहर हैं। इसलिए ऐसे महोत्सवों का आयोजन वर्ष दर वर्ष अधिक व्यापक स्वरूप में होना समय की आवश्यकता है। इससे स्वस्थ समाज, स्वावलंबी महिला और समृद्ध ग्रामीण अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में निश्चित रूप से बड़ा कदम उठाया जाएगा।

अंजु कांबळे निमसरकर
जिला सूचना अधिकारी, गोंदिया

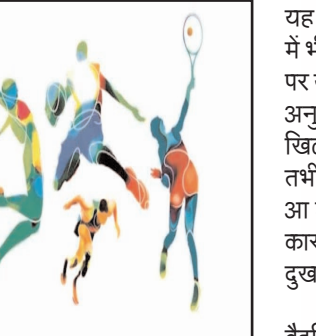
विद्यार्थी खिलाड़ियों में प्रचंड क्षमता मात्र नौवीं के बाद गति रुक जाती है

स्कूली जीवन में विद्यार्थियों में किसी भी खेल में प्रचंड क्षमता और आकर्षण दिखाई देता हो और खेल के प्रति रुचि हो, फिर भी नौवीं के बाद उसमें विराम पड़ रहा है, ऐसा जिले के खिलाड़ी विद्यार्थियों में दिखाई दे रहा है, यह पता चलता है।

जिले में सरकारी और नगरपालिका के ऐसे कुल दस खेल मैदान हैं। इनमें स्कूली विद्यार्थी खिलाड़ियों सहित सभी आयु वर्ग के नागरिक विभिन्न खेल खेलते हुए अथवा व्यायाम करते हुए दिखाई देते हैं।

आठ तालुकाओं में आठ स्थानों पर सरकारी खेल परिसर और गोंदिया शहर में 1 ऐसी नौ तथा नगरपालिका के माध्यम से एक ऐसे दस खेल परिसर हैं।

भारतीय लोकप्रिय खेल क्रिकेट हर जगह खेला जाता है, लेकिन इसके साथ ही कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, कुश्ती जैसे मैदान में खेले जाने वाले खेल भी दिखाई देते हैं। हालांकि, क्रिकेट यह खेल मैदान में खेला जाता है और उसे अब तक मिली लोकप्रियता अधिक होने के साथ ही अधिक दर्शक देखते हैं, इसलिए इसे भारत का नंबर एक खेल माना जाता है।



कबड्डी, खो-खो, कुश्ती जैसे भारतीय खेल भी लोकप्रिय हैं, प्रत्येक विद्यार्थी अवस्था का खिलाड़ी ये खेल खेलता ही है, यह निश्चित है। गोंदिया जिले में भी खेलों में खेलने वाले खिलाड़ी हैं ही और उन्होंने जिलास्तरीय, संभागीय स्तरीय, राज्यस्तरीय और कुछने तो राष्ट्रीय स्तर पर भी नाम कमाया है।

जिन्हें इनडोर खेल कहा जाता है, उन टेबल टेनिस, बैडमिंटन जैसे खेलों में भी अब खिलाड़ी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। पिछले दस वर्षों से निजी बैडमिंटन अकादमी चलाने वाले कोच एंथनी का कहना है कि आज बैडमिंटन इस खेल की बहुत मांग है। वैश्विक स्तर पर

यह खेल तीसरे क्रमांक पर है, जबकि भारत में भी राष्ट्रीय स्तर पर चौथे, पांचवें क्रमांक पर यह खेल खेला जाता है। कोच एंथनी के अनुसार उनके मार्गदर्शन में खेलने वाले खिलाड़ी जब बहुत उत्कृष्ट खेल रहे होते हैं, तभी उनकी दसवीं अथवा बारहवीं की परीक्षा आ जाती है और ट्यूशन अथवा पढ़ाई के कारण वे खेलों से दूर हो जाते हैं, यह बहुत दुखद है।

राष्ट्रीय स्तर के कुछ खिलाड़ियों ने बैडमिंटन क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पटल पर नाम कमाया है। गोंदिया जैसे शहर में भी क्षमता रखने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन कुछ हद तक निरंतरता न होना, दसवीं की - बारहवीं की पढ़ाई के कारण उनका खेल छूट जाना यह एक बड़ा कारण है। यदि इन खिलाड़ियों ने निरंतरता बनाए रखी तो ये खिलाड़ी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा सकते हैं, इतनी क्षमता यहां के खिलाड़ियों में और इन खेलों में है, ऐसा उन्होंने बताया।

भारत सरकार की खेलों इंडिया इस योजना के अंतर्गत सातवीं - आठवीं के विद्यार्थियों में खेलों के प्रति अधिक रुचि पैदा हो। आगे राष्ट्रीय स्तर पर इन खिलाड़ियों को मंच मिले, इसके लिए इसे शुरू किया गया है।

इसके अच्छे परिणाम भी दिखाई दे रहे हैं। भविष्य में ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियाई गेम जैसे खेलों में भारत को अधिक पदक मिलेंगे, ऐसी अपेक्षा है। खेलो इंडिया के अंतर्गत जिले में एक प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है।

इसके साथ मिशन लक्ष्येध योजना के अंतर्गत राज्यस्तरीय सहभागी खिलाड़ियों को प्रशिक्षक के साथ उनके आहार की व्यवस्था भी की जाती है। मिशन लक्ष्येध के अंतर्गत भी जिले में एक प्रशिक्षक है। राज्य सरकार की ओर से कुल 49 खेल प्रकारों को अनुदान दिया जाता है।

जिले में एथलेटिक इस खेल प्रकार में सबसे अधिक खिलाड़ी हैं। जिन्होंने जिलास्तर, संभाग स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर भी नाम कमाया है। राजेश राऊत इस खिलाड़ी को आठ्यापाट्या इस खेल प्रकार में राज्यस्तरीय छत्रपति शिवाजी महाराज खेल पुरस्कार भी मिला है।

उचित प्रशिक्षण, आहार, व्यायाम और माता-पिता का मजबूत समर्थन खिलाड़ी को मिले तो खिलाड़ियों का जीवन उज्ज्वल है, ऐसा प्रशिक्षक एंथनी बताते हैं।

-जिला सूचना कार्यालय, गोंदिया

ग्रामिण पाणी पुरवठा विभाग ,

जिल्हा परिषद चंद्रपूर

ई- निवीदा सुचना क्र. 20 वर्ष 2026 2027

दिनांक 27/08/2026

ई- निवीदा अटी व शर्ती निवीदा फार्म , शुध्दीपत्रक व इतर आवश्यक माहिती www.mahatenders.gov.in या वेबसाईटवर उपलब्ध आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	हातपंप संच (इंडीया मार्क- 2) व सुट्टे साहित्य खरेदी करिता एक वर्षा पर्यंत दरकरार करणे.
1	ई-निवीदा सुचना क्र.	वर्ष 2026-27
2	ई-निवीदा सुचनेची उपलब्धतेची स्थळ	www.mahatenders.gov.in
3	ई-निवीदा सादर करण्याचा कालावधी	दिनांक :- 27/08/2026 रोजी दुपारी 12.00 वाजतापासुन दिनांक :- 10/09/2026 रोजी सायं. 4.00 वाजेपर्यंत
4	ई- निवीदा उघडण्याचा दिनांक व वेळ	निविदा शक्यतो दिनांक 15/09/2026 सकाळी 11.00 वाजता किंवा सक्षम अधिकारी ठरवतील त्यादिवशी उघडण्यांत येईल.

स्वा- उप अभियंता(यां) यांत्रिकी उपविभाग जि.प. चंद्रपूर	स्वा- कार्यकारी अभियंता,(प्रापापु) जिल्हा परिषद, चंद्रपूर	स्वा- मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिल्हा परिषद, चंद्रपूर
--	---	--